जय शनि देवा - आरती (Jai Shani Deva - Aarti) न िंदी में

जय शनि देवा - आरती (Jai Shani Deva - Aarti) न िंदी में
जय शनन देवा, जय शनन देवा,
जय जय जय शनन देवा ।
अखिल सृनि में कोनि-कोनि जन,
करें तुम्हारी सेवा ।
जय शनन देवा, जय शनन देवा,
जय जय जय शनन देवा ॥

जा पर कुनपत होउ तुम स्वामी,
घोर कष्ि वह पावे ।
धन वैभव और मान-कीनति,
सब पलभर में नमि जावे ।
राजा नल को लगी शनन दशा,
राजपाि हर लेवा ।
जय शनन देवा, जय शनन देवा,
जय जय जय शनन देवा ॥

जा पर प्रसन्न होउ तुम स्वामी,
सकल नसखि वह पावे ।
तुम्हारी कृपा रहे तो,
उसको जग में कौन सतावे ।
ताँबा, तेल और नतल से जो,
करें भक्तजन सेवा ।
जय शनन देवा, जय शनन देवा,
जय जय जय शनन देवा ॥

हर शननवार तुम्हारी,
जय-जय कार जगत में होवे ।
कनलयुग में शननदेव महात्तम,
दु:ि दररद्रता धोवे ।
करू आरती भखक्त भाव से,
भेंि चढाऊंमेवा ।
जय शनन देवा, जय शनन देवा,
जय जय जय शनन देवा ॥

जय शनि देवा - आरती (Jai Shani Deva - Aarti) अिंग्रेजी में

Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva ।
Akhil Srishti Mein Koti-koti Jan,
Karen Tumhari Seva ।
Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva ॥

Ja Par Kupit Hou Tum Swami,
Ghor Kasht Vah Pave ।
Dhan Vaibhav Aur Maan-kirti,
Sab Palbhar Mein Mit Jave ।
Raja Nal Ko Lagi Shani Dasha,
Rajpat Har Leva ।
Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva ॥

Ja Par Prasann Hou Tum Swami,
Sakal Siddhi Vah Pave ।
Tumhari Kripa Rahe to,
Usko Jag Mein Kaun Satave ।
Tanba, Tel Aur Til Se Jo,
Karen Bhaktajan Seva ।
Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva ॥

Har Shanivar Tumhari,
Jai-jai Kar Jagat Mein Hove ।
Kaliyug Mein Shanidev Mahattam,
Du:Kh Daridrata Dhove ।
Karu Arti Bhakti Bhav Se,
Bhent Chadhaun Meva ।
Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva ॥